www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 28 | जौनपुर, रविवार, 13 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

हरीश रावत ने कांग्रेस के पदों से इस्तीफे के दावे का खंडन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफे की खबरों का खंडन किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व सहयोगी पर ईडी की कार्रवाई से पार्टी की छवि पर असर न पड़े, इसलिए उन्होंने सिर्फ संगठनात्मक पदों को छोड़ने की पेशकश की थी। रावत ने कहा कि कांग्रेस की सदस्यता उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें दावा किया गया था कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सदस्यता उनके लिए बहुत अहम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सदस्यता मेरे खून–रगों में बसी है। आज हरीश रावत जो कुछ भी हैं, वह कांग्रेस की ही देन है और यह सदस्यता मेरे साथ स्वर्ग तक जाएगी। रावत ने साफ किया कि उन्होंने केवल उन संगठनात्मक पदोंकृप्रदेश कांग्रेस कमेटी और ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी वर्किंग कमेटी के सदस्यकृ से इस्तीफा देने की इच्छा जताई थी, जिन पर वे अभी हैं। यह बात उन्होंने तब कही जब देहरादून में हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय?की कार्रवाई से पार्टी के भ्रष्टाचार–विरोधी नैरेटिव पर बुरा असर पड़ने की आशंका हुई। उन्होंने कहा कि हाँ, अगर देहरादून में कल या परसों म्क के पाखंडपूर्ण तमाशे का कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार–विरोधी नैरेटिव पर कोई असर पड़ता है, तो पार्टी में मेरे जो पद हैं।

तेजस्वी यादव ने सम्राट चौधरी को लिखा पत्र

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय शरद यादव, स्वर्गीय डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह एवं स्वर्गीय रामविलास पासवान की राज्य में आदमकद प्रतिमा स्थापित करते हुए उनकी जयंती या पुण्यतिथि को राजकीय समारोह घोषित करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखा। तेजस्वी यादव ने सीएम सम्राट चौधरी को लिखे पत्र में कहा कि डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह, शरद यादव एवं रामविलास पासवान राज्य के महान विभूति होने के साथ–साथ प्रखर समाजवादी नेता थे। इन राजनेताओं ने अपने सामाजिक सरोकारों और सक्रिय राजनीतिक जीवन के माध्यम से बिहार की उल्लेखनीय सेवा की। ये देश के ऐसे सपूत रहे हैं, जिनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से हम सभी बिहारवासी सदा ऋणी रहेंगे।आपको ज्ञात होगा कि निधन से कुछ दिन पूर्व डॉ रघुवंश बाबू ने बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र के माध्यम से अपनी कुछ मांगे पूर्ण करने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन 6 वर्ष बीतने के बाद भी उन मांगों पर अभी तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। मुझे विश्वास है कि आप उन लंबित मांगों को पूर्ण करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। रघुवंश बाबू की अंतिम इच्छाओं को सम्मान देते हुए उन्हें पूरा करना ही उनके प्रति हमलोगों की सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सीएम योगी ने किया गोमती पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर बच्चे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' जरूर पढ़नी और आत्मसात करनी चाहिए। यह कहना अन्याय होगा कि युवा किताब नहीं पढ़ता, जरूरत किताबों को उन तक पहुंचाने की थी। ज्ञान को संकुचित दायरे में सीमित करने के दुष्परिणाम समाज और राष्ट्र, दोनों को भुगतने पड़ते हैं। 10 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश को 'बीमारू' राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर दिया गया था। यूपी के नौजवान के सामने पहचान का संकट था और नागरिक अपनी पहचान बताने से बचते थे। सकारात्मक प्रयासों के परिणामस्वरूप आज प्रदेश की तस्वीर बदली है। डिजिटल युग ने शहर और गांव की दूरी को कम किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 5वें

गोमती पुस्तक महोत्सव–2026 का शुभारंभ करने के उपरांत युवाओं को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सीएम ने वहां मौजूद बच्चों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' वितरित की। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को यह पुस्तक पढ़नी और आत्मसात करनी चाहिए। यह केवल स्कूली छात्रों के लिए नहीं, बल्कि हर युवा और नागरिकों के लिए भी उपयोगी है। जीवन में हर व्यक्ति को किसी न किसी परीक्षा से गुजरना पड़ता है। कभी डिग्री के लिए, कभी सर्टिफिकेट कोर्स के लिए और कभी जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में। जब मुश्किल समय में व्यक्ति की हिम्मत जवाब देने लगती है, तब 'एग्जाम वॉरियर्स' उसका संबल और मार्गदर्शक बन सकती है। सीएम के हाथों पुस्तक पाने वाले बच्चों के चेहरे खिल उठे। मुख्यमंत्री ने छात्राओं के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कहना कि युवा पुस्तकों से दूर हो गया या सोशल मीडिया पर अपना समय खराब कर रहा, पूरी तरह सही नहीं। ऐसा कहना युवा के साथ अन्याय होगा। जरूरत पुस्तकों को उसके पास पहुंचाने की व्यवस्था करने की है। जब पहली बार युवराज मलिक ने लखनऊ में पुस्तक महोत्सव आयोजित करने का प्रस्ताव रखा था, तब मैंने तत्कालीन अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी से चर्चा की। इसे प्रोत्साहित करने की बात कही। इसके बाद लखनऊ में पुस्तक महोत्सव शुरू हुआ। इसका जब अच्छा परिणाम मिला तो मैंने गोरखपुर में भी पुस्तक महोत्सव आयोजित करने का सुझाव दिया। वहां लखनऊ से भी ज्यादा लोग पहुंचे और अधिक पुस्तकों की बिक्री हुई। इससे यह धारणा पूरी तरह गलत साबित हुई कि आज का युवा पुस्तक नहीं पढ़ता। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी व्यक्ति की तरह ही समाज और राष्ट्र भी तब बीमार होता है, जब उसकी क्षमता समाप्त होने लगती है और वह अपनी विरासत से दूरी बनाने लगता है। पहले भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को संकुचित दायरे में बांधने का प्रयास किया गया, जिसके परिणाम सहने पड़े। उत्तर प्रदेश की धरती भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्वपूर्ण केंद्र रही है। लखनऊ से करीब 70 किलोमीटर दूर नैमिषारण्य में ऋषियों ने चिंतन और ज्ञान की परंपरा को आगे बढ़ाया। काशी ज्ञान और संवाद की भूमि रही है। इसी प्रदेश के मुजफ्फरनगर स्थित शुक्रतीर्थ में करीब 5 हजार वर्ष पहले श्रीमद्भागवत महापुराण की पहली कथा के वाचन की परंपरा जुड़ी है। सीएम योगी ने कहा कि पुस्तक महोत्सव युवाओं, छात्रों, लेखकों और प्रकाशकों को मंच उपलब्ध कराता है। यहां युवा विभिन्न ज्ञानवर्धक, मनोरंजक और रोचक पुस्तकों को देख सकते हैं, उनके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अगले 9 दिनों तक चलने वाले गोमती पुस्तक महोत्सव–2026 में पुस्तकों के विमोचन के साथ लेखकों से संवाद और उनकी रचनात्मक यात्रा को समझने का अवसर भी मिलेगा। आत्मकथाओं के माध्यम से महापुरुषों के जीवन संघर्ष को जाना जा सकता है। वैज्ञानिकों के शोध और उनकी यात्राओं को पुस्तकों के माध्यम से समझा जा सकता है। यह रचनात्मकता को आगे बढ़ाने और जीवन में नई दिशा देने का माध्यम बन सकता है। मुख्यमंत्री ने भारतीय ऋषि परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि ज्ञान को सीमित नहीं किया जाना चाहिए। हमारी परंपरा ज्ञान को चारों ओर से आने देने के लिए द्वार

मूल्यों की राजनीति के प्रबल पक्षधर थे ठाकुर उमानाथ सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री स्व. ठाकुर उमानाथ सिंह की पुण्यतिथि पर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया जा रहा है। उनके निधन के 32 वर्ष पूरे

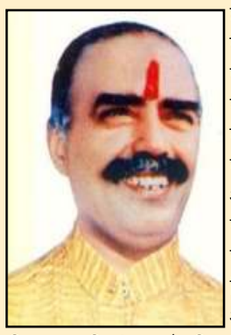

हो चुके हैं, लेकिन त्याग, परोपकार, सादगी, विनम्रता और समाजसेवा से जुड़ी उनकी स्मृतियां आज भी लोगों के बीच जीवंत हैं। वह मूल्यों की राजनीति के प्रबल पक्षधर थे और जिले के विकास के लिए आजीवन संघर्षरत रहे। राजनीतिक जीवन में स्व. उमानाथ सिंह की अलग पहचान थी। गरीबों और असहायों के हितों के लिए वह सदैव तत्पर रहते थे। अपनी समस्या लेकर उनके पास पहुंचने वाले हर व्यक्ति की बात सहजता से सुनते और उसके समाधान का प्रयास करते थे। उनके मृदुभाषी और सरल स्वभाव के कारण सभी राजनीतिक दलों में उनका सम्मान था।मोहल्ला नखास स्थित उनका आवास आम लोगों के लिए हमेशा खुला रहता था। बरामदे में चौकी पर बैठकर वह समर्थकों और फरियादियों से सहजता से मिलते थे। उनका मानना था कि सत्य की राह कठिन जरूर होती है, लेकिन अंततः जीत सत्य की ही होती है।उनके भतीजे राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 13 सितंबर को तिलकधारी महाविद्यालय के बलरामपुर हाल में दोपहर 12 बजे से श्रद्धांजलि सभा आयोजित होगी। मुख्य अतिथि प्रदेश के स्टांप एवं न्यायालय शुल्क राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल होंगे। विशिष्ट अतिथि खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव मौजूद रहें।

ब्रिक्स के मंच से पीएम ने किया ग्लोबल साउथ का समर्थन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ब्रिक्स समिट 2026 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता को सफल बनाने में आप सभी के सक्रिय योगदान और समर्थन के लिए मैं आपका तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। इस साल का ब्रिक्स समिट एक ऐतिहासिक पड़ाव है। हम ब्रिक्स की 20वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इंसानी जिंदगी में, 20 साल की उम्र परिपक्वता और जिम्मेदारी के एक नए दौर की शुरुआत होती है। उन्होंने कहा कि आप सभी का भारत में स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता लोगों पर केंद्रित और मानवता को प्राथमिकता देने वाले नजरिए पर आधारित है। मजबूती, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबिलिटी हमारी प्राथमिकताएँ रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन प्राथमिकताओं के साथ–साथ, हमने ब्रिक्स के सहयोग को आम लोगों से जोड़ने पर भी खास जोर दिया है। इसी सोच के

साथ, 350 से ज्यादा बैठकें आयोजित की गईं। हमें लगभग 30 शहरों में आपकी टीमों का स्वागत करने का मौका मिला। मोदी ने कहा कि आज ब्रिक्स भी परिपक्वता के दौर में पहुँच गया है। पिछले दो दशकों में, ब्रिक्स ने वैश्विक मंच पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। हम एक–दूसरे के नजरिए का सम्मान करते हैं और आम सहमति से आगे बढ़ते हैं। हम किसी का विरोध करके नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं। अब समय आ गया है कि हम ब्रिक्स के भीतर अपनी एकता और आम सहमति को वैश्विक मंच पर ठोस नतीजों में बदलें। नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अगले 20 सालों के लिए एक नए और बड़े लक्ष्य वाले एजेंडे पर काम करने की जरूरत है। हमें इस प्रक्रिया की शुरुआत अपने अंदरूनी कामकाज के तरीकों से करनी चाहिए। भले ही ब्रिक्स की अध्यक्षता हर साल बदलती रहती है, लेकिन इससे हमारे संस्थागत कामकाज की रफ्तार पर असर नहीं पड़ना चाहिए। मेरा प्रस्ताव है कि ब्रिक्स में निरंतरता और काम को लागू करने के लिए एक सिस्टम बनाया जाए। इससे ट्रोइका व्यवस्था के जरिए सभी पहलों और नतीजों पर आगे की कार्रवाई हो सकेगी।

भूपेश बघेल ने हिमंत बिस्वा सरमा पर साधा निशाना, बाढ़ राहत पर काम करने की दी सलाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और असम के लिए कांग्रेस के प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की उन टिप्पणियों की आलोचना की है जो उन्होंने बघेल पर की थीं। बघेल ने सरमा से कहा कि वे बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने और असम में बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने पर ध्यान दें। राजीव भवन के दौरे के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए बघेल ने कहा कि देखिए, मैं हिमंत जी की चिंता समझता हूं, क्योंकि छत्तीसगढ़ में चुनाव 2028 में होने हैं। इसलिए वहां चिंता की कोई खास बात नहीं है। उन्हें तो इस बात की चिंता करनी चाहिए कि यहां बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत क्यों नहीं मिल रही है। यह डबल–इंजन सरकार है। इसके बावजूद, उन तक राहत नहीं पहुंच रही है। उन्होंने

कहा कि सरमा को जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों से निपटने में लोगों की मदद करने पर ध्यान देना चाहिए। बघेल ने कहा कि उन्हें इस बात की चिंता करनी चाहिए कि असम के लोगों को पेट्रोल, डीजल, कुकिंग गैस और चीनी की बढ़ी हुई कीमतों से कैसे राहत दी जाए। नगांव लोकसभा उपचुनाव के बारे में बघेल ने बताया कि असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी पार्टी की रणनीति और उम्मीदवारों को तय करने के लिए कई बैठकें कर रही है। पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी, उपाध्यक्षों और प्रदेश चुनाव समिति की बैठकें हो चुकी हैं, और उपचुनाव के लिए नियुक्त विधायकों और पर्यवेक्षकों के साथ भी चर्चा की योजना है। उन्होंने बताया कि इन बैठकों में जो भी नाम सामने आएंगे, उन पर विचार किया जाएगा और उन्हें शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, और फिर हम ये नाम को भेजेंगे। वहीं से हमारे उम्मीदवार की घोषणा की जाएगी। भारत के चुनाव आयोग ने असम की नागांव लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव 6 अक्टूबर, 2026 को तय किया है और वोटों की गिनती 9 अक्टूबर, 2026 को होगी। बघेल ने नागांव के पूर्व जिला कमिश्नर देबाशीष शर्मा और पत्रकारों लेनिन सौरव बोरा और गुंजन कलिता के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का भी जिक्र किया।

पीएम मोदी चीन से लॉख और गलवान की जमीन वापस लें, संजय राउत ने की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि वे चीन

के नेताओं पर दबाव डालें कि वे लद्दाख और गलवान के उन इलाकों से पीछे हटें जहां भारत ने घुसपैठ का आरोप लगाया है, और भारत की जमीन वापस करें। 12 सितंबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, राउत ने कहा कि पिछले दो सालों में भारत और चीन के बीच बातचीत के 25 दौर हो चुके हैं, लेकिन उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों में हुई प्रगति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को भारत आ रहे चीन के राष्ट्रपति से साफ तौर पर कहना चाहिए कि वे सबसे पहले लद्दाख और गलवान के उन इलाकों से पीछे हटें जहां उन्होंने घुसपैठ की है, और हमारी जमीन हमें वापस करें। नएस्थान तलाशें उन्होंने आगे कहा कि पिछले दो सालों में चीन के साथ बातचीत के 25 दौर हो चुके हैं दृ फिर भी रिश्तों में क्या सुधार हुआ है? दूसरी ओर, ईरान के राष्ट्रपति का दौरा बहुत अहम है। मैंने देखा कि ईरान के राष्ट्रपति शेर की तरह दिल्ली पहुंचे... ईरान ने इजराइल और अमेरिका के सामने अपनी ताकत, जज्बे और आत्म–सम्मान का प्रदर्शन किया है... बाकी सब तो बस व्यापारी हैं दृ चीन एक व्यापारी है, और अमेरिका भी एक व्यापारी है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए 12 सितंबर को नई दिल्ली पहुंचे और उसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात होनी है। पहुंचने पर शी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिसमें पूर्वोत्तर और भारत के अन्य राज्यों के समूहों द्वारा शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुतियां भी शामिल थीं। चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार, शी के साथ आए प्रतिनिधिमंडल में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति के सदस्य और सीपीसी केंद्रीय समिति के सामान्य कार्यालय के निदेशक काई ची, और साथ ही चीनी विदेश मंत्री तथा सीपीसी केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो के सदस्य वांग यी शामिल हैं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए आर्थिक नीतियों में तालमेल बिठाने और वैश्विक शासन पर एक साझा रुख रखने का मंच है।

संपादकीय

नस्लभेदी अमेरिका

यूं तो ट्रंप प्रशासन भारतीयों को नस्लीय आधार पर निशाना बनाने का मौका कभी नहीं छोड़ता, लेकिन हाल ही में अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी यानी डीएचएस द्वारा जारी एक विवादित विज्ञापन ने उसकी संकीर्ण सोच को ही उजागर किया है। हालांकि, अमेरिका के हिंदू,सिख संगठनों और डेमोक्रेट नेताओं द्वारा पुरजोर विरोध करने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया वह विज्ञापन हटा लिया गया, जिसमें 'मिस्टर सिंह' को निशाना बनाया गया था। निश्चित रूप से इस अप्रिय घटना को सिर्फ एक पोस्ट हटाने के बावजूद नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरे अर्थों में यह अमेरिका में भारतीयों को लगातार निशाना बनाने की लगातार की जा रही कोशिशों का ही हिस्सा भर है। दरअसल, अमेरिका में बिना लाइसेंस वाले कमर्शियल ड्राइवरों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत जारी इस विज्ञापन में एआई के जरिये बनाई गई, एक दाढ़ी वाले गेहुंआ रंग के व्यक्ति की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ अभद्र भाषा के साथ चेतावनी वाला संदेश भी लिखा गया था– 'हमारी सड़कों से हट जाओ, तुम्हें गाड़ी चलाना नहीं आता, मिस्टर सिंह।' उसके बाद धमकी दी गई थी, 'खुद देश छोड़कर चले जाओ या अंजाम भुगतो।' दशकों से पूरी दुनिया की सरकारों को मानवता, धर्मनिरपेक्षता, मौलिक अधिकार, समरसता जैसे भारी–भरकम शब्दों के जरिये अस्थिर करने के प्रयासों में लगा अमेरिका अपनी इस कवायद से बेनकाब होता नजर आया है। स्वाभाविक रूप से इस विज्ञापन के सामने आने के बाद भारतीय–अमेरिकियों और सिख संगठनों के साथ–साथ डेमोक्रेट नेताओं ने भी इस पोस्ट को नस्लवादी और भेदभावपूर्ण बताकर घोर निंदा की है। इसमें दो राय नहीं कि आप्रवासन कानून को लागू करने या खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में कुछ भी गलत नहीं है। असल में, जब लापरवाही या आपराधिक व्यवहार के कारण मौतें होती हैं, तो सरकारों का यह भी कर्तव्य होता है कि वह कार्रवाई करें। लेकिन कानून का पालन व्यक्ति के व्यवहार के आधार पर होना चाहिए न कि उसकी जाति, रूप–रंग, धर्म या उपनाम के आधार पर किया जाए। इसमें दो राय नहीं है कि भारतीय व अन्य प्रवासियों ने अपने खून–पसीने से अमेरिका की समृद्धि को सींचा है। उनकी समृद्धि अथक प्रयासों व कड़ी मेहनत का फल है जो आज गोरे अमेरिकनों को रास नहीं आता। अब तक भारतवंशियों का विरोध अमेरिका में गुपचुप ढंग से होता था, ट्रंप के शासनकाल में वह खुलकर सामने आने लगा है। अमेरिका की एक जिम्मेदार फेडरल एजेंसी डीएचएस जब इस तरह का कृत्य करती है तो यह शर्मनाक ही कहा जाएगा। उसके विज्ञापन में भारत में आदर से लिये जाने वाले 'सिंह' उपनाम का दुर्भावना से प्रयोग किया जाना विशेषकर चिंता की बात है। यह उपनाम सिखों में आम है और कुछ हिंदू भी इसका प्रयोग करते हैं। इस शब्द को गैर–कानूनी आप्रवासन या खतरनाक ड्राइविंग से जोड़ने से एक आम सांस्कृतिक पहचान को एक मजाक में बदले जाने का खतरा पैदा होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि सिख समुदाय को 9ध्11 के हमलों के बाद लगातार नफरत प्रेरित अपराधों का सामना करना पड़ा था। उनकी पहचान को अज्ञानतावश हमलावरों से जोड़ कर देखा जा रहा था। इस समुदाय के लिये यह दंश झेलना बेहद कष्टकारी रहा है।

अनसुनी न करें हिमालय की चेतावनियों को

विकास

क्षेत्रीय स्तर पर, हिमालयी क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग लगभग न के बराबर है। जबकि इन देशों को साथ मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि जलवायु और पर्यावरण से जुड़ी आपदाएं राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानतीं, जैसा कि नेपाल की त्रासदी से पता चला है। सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेकांग जैसी बड़ी नदियां हिमालय से निकलती हैं और कई देशों से होकर गुजरती हैं। हिमालय लगातार खतरनाक आपदाओं के रूप में एक के बाद एक चेतावनियां दे रहा हैकृजैसे अचानक बाढ़, हिमस्खलन, ग्लेशियल झील के

फटने से आई बाढ़, बादल फटना, भूस्खलन और जमीन का बुरी तरह धंसना। हमने केदारनाथ, धौलीगंगा, जोशीमठ, सिक्किम और अब नेपाल में इन्हें होते देखा है, अपने पीछे भारी तबाही छोड़ते हुए। हर आपदा के बाद, ग्लेशियरों की निगरानी, आरंभिक चेतावनी प्रणालियां विकसित करने, खतरे और जोखिमों की मैपिंग करने और बचाव संबंधी एवं नुकसान कम से कम रखने के उपाय करने की बातें होती हैं। कुछ हफ्तों या महीनों के बाद, शोर–शराबा थम जाता है और सब कुछ पहले की भांति हो जाता है। हिमालयी क्षेत्र में आपदाओं से निपटने के लिए एक बहुआयामी रणनीति की जरूरत है, जिसमें वैज्ञानिक शोध, नीति–निर्माण, क्रियान्वयन तंत्र, जन–जागरूकता और समुदाय की भागीदारी शामिल हो। विज्ञान ने हिमालय के पर्यावरण, खासकर ग्लेशियरों और जल प्रणालियों से जुड़ी स्थिति के खतरों के बारे में स्पष्ट राय दी हैकृकि क्या करने की जरूरत है और समझने में क्या कमियां हैं। वैश्विक स्तर पर, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) ने कई रिपोर्टें प्रकाशित की हैं, जिनमें विभिन्न देशों से ग्लेशियरों और पहाड़ी पारिस्थितिकी तंत्र पर शोध के नतीजों को एक साथ लाया गया है। भारत में, नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर ने रिमोट सेंसिंग तस्वीरों का इस्तेमाल करके भारतीय हिमालयी क्षेत्र में कुल मिलाकर लगभग 28,000 ग्लेशियल झीलों में से ज्यादा जोखिम वाली 7,500 ग्लेशियल झीलों की मैपिंग की है। साथ ही, खतरनाक हो सकने वाली ग्लेशियल झीलों से बनने वाली बाढ़ की संभावना भी तैयार की है। इसमें बाढ़ का खतरा और अगर ये झीलें कभी टूटती हैं, तो नीचे बसे इलाकों तक बाढ़ की लहरें पहुंचने में लगने वाले संभावित समय का ब्योरा भी दिया गया है। इस साल मार्च में, काठमांडू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) ने दो अहम रिपोर्टें प्रकाशित कींकृ1990 से 2020 तक हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों की बदलती गतिशीलता और 2026रू हिमालयी ग्लेशियरों की 50 साल की निगरानी से मिली जानकारी। इन रिपोर्टों के नतीजे चिंताजनक हैं। पहली रिपोर्ट हिंदू कुश क्षेत्र के 63,761 ग्लेशियरों के डेटा पर आधारित थी, जो 55,000 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा इलाके में फैले हैं और जिनमें अनुमानित 5,700 क्यूबिक किलोमीटर बर्फ का भंडार है। विश्लेषण से पता चला है कि इस इलाके में ग्लेशियर 1990 से लगातार सिकुड़ रहे हैं, जिससे कुल ग्लेशियर क्षेत्र में 12 प्रतिशत की कमी आई है और बर्फ के अनुमानित भंडार में 9 फीसदी की गिरावट हुई है। ग्लेशियर सिकुड़ने की रफ्तार सबसे ज्यादा 2010 और 2020 के बीच बढ़ी, खासकर पूर्वी और मध्य हिस्सों में। सिंधु नदी बेसिन के ग्लेशियर क्षेत्र में 6 फीसदी की कमी आई, जबकि गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में क्रमशः 21 और 16 प्रतिशत की कमी देखी गई। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि ग्लेशियर के इस तरह सिकुड़ते जाने का सीधा नतीजा सूखे के मौसम में पानी की कमी और ग्लेशियल झील के टूटने से बनी बाढ़, हिमस्खलन, भूस्खलन और मलबे के बहाव जैसे जोखिम होंगे। निगरानी किए गए 38 ग्लेशियरों पर आधारित दूसरी रिपोर्ट संकेत देती है कि 'हिमालय के क्रायोस्फीयर (बर्फ वाले हिस्से) के कुछ हिस्से ऐसे नाजुक मोड़ के करीब हैं, जिसके बाद उनकी सिकुड़न को रोकना संभव नहीं होगा।' आईसीआईएमओडी के महानिदेशक पेमा ग्यामत्शो का नीति निर्माताओं के लिए सीधा संदेश थाकृ'यह कोई दूर की समस्या नहीं है, बल्कि एक ऐसा संकट है जो वर्तमान में मुंह बाए खड़ा है, और हर गर्मी और मॉनसून में नई आपदाएं आ रही हैं। इस सदी में बर्फ घटने की दर दोगुनी हो गई है।' नेपाल में बनी नवीनतम आपदा के बाद ये शब्द लगभग भविष्यवाणी जैसे लगते हैं। ग्यामत्शो के अनुसार, 'यह अब अनदेखी की जा सकने वाली वह स्थिति नहीं रही कि अचानक से सामना होय ये हमारा नया यथार्थ हैं।' ग्लेशियर गतिशीलता विज्ञान और 1974 से इकट्ठा किए गए सैटेलाइट एवं जमीनी डेटा के विश्लेषण पर आधारित यह शायद सबसे स्पष्ट चेतावनी थी। वैज्ञानिक डेटा विश्लेषण से और कार्रवाई न करने के गंभीर नतीजों के बारे में चेतावनी देकर अपना काम कर रहे हैं, लेकिन नीति निर्माता, राजनेता और प्रशासन की प्रतिक्रिया धीमी, बिखरी हुई या उदासीन भी रही है। दुनिया भर में, आईपीसीसी की रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया सुस्त रही है, खासकर जब मुख्य मुद्दे को हल करने की बात आएकृयानी ग्लोबल वार्मिंग के असर को कम करने के लिए उत्सर्जन में कटौती करना, जो सीधा तौर पर हिमालय को प्रभावित कर रहा है। क्षेत्रीय स्तर पर, हिमालयी क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग लगभग न के बराबर है। जबकि इन देशों को साथ मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि जलवायु और पर्यावरण से जुड़ी आपदाएं राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानतीं, जैसा कि नेपाल की त्रासदी से पता चला है। सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेकांग जैसी बड़ी नदियां हिमालय से निकलती हैं और कई देशों से होकर गुजरती हैं। उदाहरणार्थ, एक देश में भूस्खलन से दूसरे देश में प्रलयंकारी बाढ़ आ सकती है। कम से कम और कुछ नहीं तो डेटा और जानकारी साझा की जानी चाहिए, तत्पश्चात संयुक्त निगरानी और वैज्ञानिक सहयोग किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर भी, नीति–निर्माताओं ने लगातार विज्ञान पर आधारित चेतावनियों को नजरअंदाज किया है। कई आपदाओं के बावजूद, आपदा के जोखिम को कम करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं, और जलविद्युत परियोजनाओं और बड़े बुनियादी ढांचे का निर्माण जारी है। पिछले साल जुलाई में ग्लेशियर झील के फटने से ल्हेन्दे खोला नदी में आई बाढ़ ने नेपाल के रसुवा–नुवाकोट क्षेत्र में कम से कम एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचाया था, जो इस बार और बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।

करेंसी को टिकाऊ बनाने की दिशा में अहम बदलाव

मनोज

देश के केंद्रीय बैंक द्वारा छोटे मूल्यवर्ग, खासकर 10 और 20 रुपये, में पॉलिमर यानी प्लास्टिक नोटों के ट्रायल का मकसद टिकाऊ, सुरक्षित और कम लागत वाली करेंसी बनाना है। जो कागज के मौजूदा नोटों से ज्यादा समय तक चले व नकली नोटों का चलन भी रुक सके। भारत की मुद्रा केवल कागज, सुरक्षा धागे और स्याही का भौतिक उत्पाद नहीं हैय यह देश की संप्रभुता का प्रतीक, रोजमर्रा के सामाजिक भरोसे का ठोस माध्यम और राज्य की संस्थागत क्षमता का प्रतीक है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा छोटे मूल्यवर्ग,खासकर 10 रुपये और 20 रुपये, में पॉलिमर यानी प्लास्टिक नोटों के बड़े पैमाने पर फील्ड ट्रायल की दिशा में उठाए गए हालिया नीतिगत कदम देश की मौद्रिक यात्रा में दूरगामी मोड़ हैं। यह पहल नोटों के टिकाऊपन, मुद्रण लागत में कटौती व जालसाजी पर अंकुश का वादा तो करती है, लेकिन साथ ही पर्यावरण संतुलन, सामाजिक समावेशिता और करेंसी सुधार की राजनीति पर भी गंभीर विमर्श की मांग करती है। वैश्विक पटल पर पॉलिमर बैंकनोट्स कोई सर्वथा नया प्रयोग नहीं है। वर्ष 1988 में ऑस्ट्रेलिया से शुरू होकर ब्रिटेन, कनाडा, वियतनाम और नाइजीरिया जैसे देशों ने इसे सफलतापूर्वक अपनाया है। इन देशों में पॉलिमर करेंसी को अपनाने का मुख्य कारण उसका लंबा जीवनकाल और उन्नत सुरक्षा तंत्र रहा है। पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में पॉलिमर नोट औसतन तीन से चार गुना अधिक चलते हैं। भारत में छोटे मूल्यवर्ग के नोटों की स्थिति जमीनी स्तर पर अत्यंत दयनीय रहती है। सब्जी मंडी, ऑटो–रिक्शा, चाय की थड़ियों और स्थानीय हाट–बाजारों में 10 और 20 रुपए के नोट इतनी तेजी से हाथ बदलते हैं कि उनका औसत जीवनकाल बमुश्किल एक वर्ष ही रह जाता है। पसीने, नमी, धूल और बार–बार मोड़ने–मरोड़ने के कारण वे जल्द ही फट जाते हैं। रिजर्व बैंक की 'क्लीन नोट पॉलिसी' के तहत प्रतिवर्ष अरबों की संख्या में कटे–फटे और मैले नोट नष्ट कर उनकी जगह नोट छापने पड़ते हैं। इस प्रक्रिया में भारी वित्तीय संसाधन, विदेशी सबस्ट्रेट यानी नोट–पेपर का आयात और लॉजिस्टिक्स का खर्च शामिल होता है। पॉलिमर नोट पानी, तेल और गंदगी के प्रति प्रतिरोधी होते हैं। इन्हें बार–बार बदलने की दर घटने से केंद्रीय बैंक के मुद्रण खर्च में बड़ी कमी आएगी। इसके साथ ही, पारदर्शी शिंडोश और जटिल ऑप्टिकल सुरक्षा विशेषताओं के चलते नकली नोटों के संगठित नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाना कहीं अधिक संभव हो सकेगा। पॉलिमर नोटों का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव भारत की विशाल अनौपचारिक इकोनॉमी पर पड़ेगा। रेहड़ी–पटरी वाले, छोटे दुकानदार, दिहाड़ी मजदूर और ग्रामीण परिवार रोजमर्रा के लेन–देन के लिए मुख्य रूप से नकदी पर ही निर्भर हैं। जब किसी आम नागरिक के हाथ में फटा हुआ नोट आता है और बाजार में उसे लेने से मना कर दिया जाता है, तो यह सिर्फ आर्थिक हानि नहीं बल्कि रोजमर्रा की असुविधा और गरिमा पर चोट का कारण बनता है। लंबे समय साफ–साबुत रहने वाले नोट आम जनता को लेन–देन में सुगमता और मानसिक सुरक्षा प्रदान करेंगे। यह नीतिगत कच्दम इस व्यावहारिक सच्चाई को भी स्वीकार करता है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी के अभूतपूर्व प्रसार के बावजूद भारत में नकद लेन–देन पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता। डिजिटल भुगतान की बुनियादी सीमाएं हैंकृनेटवर्क कनेक्टिविटी, स्मार्टफोन की उपलब्धता और डिजिटल साक्षरता की बाधाएं अभी पूरी तरह दूर नहीं हुईं। प्रस्तावित पॉलिमर नोट कागजी मुद्रा के समांतर चलेंगे, जिससे सुनिश्चित होगा।

..... विविध/स्वास्थ्य .....

बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान

बच्चों के दांतों की सही देखभाल करना बहुत जरूरी है। उनके दांतों को मजबूत और स्वस्थ बनाए रखने के लिए सही टूथपेस्ट का चुनाव करना अहम होता है। बच्चों के लिए ऐसा टूथपेस्ट चुनें, जो उनके नाजुक दांतों की सुरक्षा करे और उनकी सेहत को नुकसान न पहुंचाए। कई बार बिना जानकारी के टूथपेस्ट खरीद लिया जाता है, जो सही नहीं होता। इसलिए आइए जानते हैं कि बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट क्यों जरूरी है

बच्चों के लिए फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट चुनना बहुत जरूरी होता है। फ्लोराइड दांतों को सडने से बचाने में मदद करता है और दांतों की बाहरी परत को मजबूत बनाता है।

यह दांतों में कैविटी बनने से रोकता है और उन्हें लंबे समय तक स्वस्थ बनाए रखता है। जब भी बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदें तो यह जरूर जांच लें कि उसमें फ्लोराइड की सही मात्रा हो।

शक्कर रहित टूथपेस्ट का करें चयन

बच्चों के लिए टूथपेस्ट हमेशा ऐसा होना चाहिए, जिसमें शक्कर न हो। शक्कर दांतों की सडन का मुख्य कारण होती है। अगर टूथपेस्ट में शक्कर होगी तो वह दांतों को साफ करने के बजाय नुकसान पहुंचा सकती है।

शक्कर रहित टूथपेस्ट दांतों को सुरक्षित रखता है और बच्चों के मसूड़ों को भी दिक्कत से बचाता है। ऐसे टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से बच्चों के दांत लंबे समय तक मजबूत रहते हैं।

बच्चों की पसंद का स्वाद चुनें

बच्चों के लिए टूथपेस्ट का स्वाद भी बहुत मायने रखता है। अगर टूथपेस्ट का स्वाद बच्चों को पसंद आएगा, तो वे ब्रश करने में रुचि दिखाएंगे।

यह उनकी दांत साफ करने की आदत को मजबूत बनाएगा। बाजार में कई तरह के फलों और मीठे स्वाद वाले टूथपेस्ट उपलब्ध हैं, जो बच्चों को आकर्षित करते हैं।

सही स्वाद वाला टूथपेस्ट चुनने से बच्चों को ब्रश करना मजेदार लगेगा और वे इसे नियमित रूप से करेंगे।

पैकेजिंग पर भी ध्यान दें

बच्चों के टूथपेस्ट की पैकेजिंग पर ध्यान देना भी जरूरी है। पैकेजिंग साफ और बच्चों के लिए इस्तेमाल करने में आसान होनी चाहिए। ऐसी पैकेजिंग चुनें, जिससे बच्चे आसानी से टूथपेस्ट निकाल सकें और खुद ब्रश करना सीख सकें।

पैकेजिंग पर लिखी जानकारी को पढ़कर यह सुनिश्चित करें कि टूथपेस्ट में कोई हानिकारक चीज न हो।

इसके अलावा बच्चों को आकर्षित करने वाली रंगीन और मजेदार पैकेजिंग भी उनके लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है

अगर आपको बच्चों के लिए सही टूथपेस्ट चुनने में कोई दुविधा हो, तो किसी विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

दांतों के डॉक्टर आपकी जरूरतों को समझकर सही विकल्प सुझा सकते हैं। इससे आप गलत टूथपेस्ट खरीदने से बच सकते हैं और आपके बच्चे के दांत स्वस्थ रहेंगे।

विशेषज्ञ की राय लेना बच्चों के दांतों की सुरक्षा के लिए एक समझदारी भरा कदम होता है।

भोजन के साथ पेय का सेवन भी महत्वपूर्ण

भोजन के साथ या उसके पश्चात उचित मात्रा में लिया जाने वाला अनुपान केवल पानी तक सीमित नहीं है। अक्सर हम परिस्थिति, भोजन की प्रकृति और व्यक्ति विशेष की जरूरत के अनुसार दूध, छाछ, मट्ठा, कांजी तथा अन्य उपयुक्त द्रव अनुपान के रूप में लेते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, अनुपान पर भी भोजन जितना ही ध्यान देना चाहिये। इसकी मात्रा और समय भी अहम है। हम प्रायः अपने भोजन को लेकर बहुत सजग रहते हैं – क्या खाएं, कितना खाएं, कौन–सा भोजन पौष्टिक है और किससे परहेज करें। लेकिन भोजन के साथ क्या पिया जाए, इस पर हमारा ध्यान अपेक्षाकृत कम जाता है। भोजन की थाली के साथ कभी ठंडा पानी, कभी शीतल पेय और कभी कोई अन्य पेय रख लेना आज सामान्य बात हो गई है। आयुर्वेद इस विषय में एक अलग और अत्यंत व्यावहारिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। भोजन के साथ लिया जाने वाला पेय भी भोजन जितना ही विचारणीय है। इसी अवधारणा को आयुर्वेद में 'अनुपान' कहा गया है।

अनुपान का अर्थ

सरल शब्दों में कहें तो भोजन अथवा औषधि के साथ या उसके पश्चात उचित मात्रा में लिया जाने वाला पेय अनुपान कहलाता है। इसे भोजन या औषधि का 'सहायक पेय' भी समझा जा सकता है। जल इसका सबसे सामान्य उदाहरण है, लेकिन अनुपान केवल पानी तक सीमित नहीं है। परिस्थिति, भोजन की प्रकृति और व्यक्ति की आवश्यकता के अनुसार दूध, छाछ, मट्ठा, कांजी तथा अन्य उपयुक्त द्रव भी अनुपान हो सकते हैं।

पानी भी सोच–समझकर पिएं

जल जीवन की मूल आवश्यकता है और सामान्य व्यक्ति के लिए सबसे सहज अनुपान भी। किंतु इस संबंध में आयुर्वेद केवल पानी पीने पर ही नहीं, बल्कि उसकी मात्रा और समय पर भी ध्यान देता है। भोजन से ठीक पहले बहुत अधिक पानी पी लेना अथवा भोजन समाप्त होते ही भारी मात्रा में पानी पीना उचित आदत नहीं मानी गई है। इसके स्थान पर भोजन करते समय आवश्यकता के अनुसार थोड़ी–थोड़ी मात्रा में जल ग्रहण करना अधिक उपयुक्त माना जाता है।

भोजन और रोग के मुताबिक अनुपान

अनुपान सिद्धान्त की रोचक बात यह कि आयुर्वेद सभी खाद्य पदार्थों के साथ एक ही प्रकार का पेय लेने की सलाह नहीं देता। भोजन की प्रकृति और रोग की अवस्था के अनुसार अनुपान भी बदल सकता है। अधिक पिसे हुए अन्न से बने खाद्य पदार्थों के साथ उष्ण जल का प्रयोग उपयोगी माना गया है। इसी प्रकार कुछ प्रकार की हरी सब्जियों के सेवन के बाद छाछ, दही का पानी अथवा खट्टी कांजी जैसे पेयों का उल्लेख मिलता है। जौ और गेहूं से बने खाद्य पदार्थों के साथ शीतल जल का प्रयोग भी वर्णित है। हमारे पारम्परिक भोजन में छाछ को विशेष स्थान मिलना संभवतः इसी व्यावहारिक सोच का परिणाम है। दिन के भोजन के साथ छाछ लेने की परम्परा आज भी देश में है।

समय और अवस्था का रहे ध्यान

परम्परागत रूप से प्रातःकाल के भोजन यानी नाश्ते के साथ जल, दिन के भोजन के साथ छाछ तथा रात्रि के भोजन के पश्चात उपयुक्त व्यक्ति के लिए दूध को अच्छा अनुपान माना गया है। इसी प्रकार बीमारी से कमजोर हुए व्यक्ति, लंबे उपवास के कारण क्षीण व्यक्ति, बालक अथवा वृद्ध के लिए कभी दूध उपयोगी हो सकता है। महत्वपूर्ण यह भी कि जो अनुपान एक व्यक्ति के लिए अच्छा है, वह प्रत्येक के लिए अच्छा हो, ऐसा नहीं है। यही आयुर्वेद की व्यक्ति–केंद्रित आहार दृष्टि है।

अनुपान के बाद ऐसा न करें

आयुर्वेद भोजन और अनुपान के बाद के व्यवहार को भी महत्व देता है। अनुपान लेने के तुरंत बाद अत्यधिक बोलना, जोर से पढ़ना या गाना, बहुत अधिक परिश्रम करना अथवा तुरंत सो जाना उचित नहीं। वहीं भोजन समाप्त होते ही दौड़ना, कठिन व्यायाम या अत्यधिक श्रम सही नहीं है। भोजन के बाद कुछ समय सहज और शांत अवस्था में रहना बेहतर है।

आज हमारी भोजन–संस्कृति तेजी से बदल रही है। कभी भोजन के साथ जल, छाछ, मट्ठा और मौसमी पारम्परिक पेय सामान्य हुआ करते थे। अब उनकी जगह अनेक बार बोतलबंद, अत्यधिक मीठे और शीतल पेयों ने ले ली है। स्वास्थ्य केवल पौष्टिक पदार्थ खाने से ही नहीं बनता। भोजन की मात्रा, समय, खाने की विधि, व्यक्ति की पाचन–क्षमता और उसके साथ लिए गए पेय, सभी का अपना महत्व है।

थाली के साथ गिलास पर भी दें ध्यान

हम भोजन की थाली सजाते समय दाल, सब्जी, रोटी, चावल और सलाद का ध्यान रखते हैं, लेकिन साथ रखे गिलास पर शायद ही विचार करते हैं। आयुर्वेद का अनुपान सिद्धान्त इसी महत्त्वपूर्ण बात की याद दिलाता है। स्वस्थ व्यक्ति के लिए जल सबसे सहज विकल्प है। विशेष खाद्य पदार्थों, रोगावस्था या औषधि के साथ किसी विशिष्ट अनुपान का प्रयोग योग्य आयुर्वेद चिकित्सक की सलाह से करना अधिक उचित है। अंततः स्वस्थ रहने का सूत्र केवल 'क्या खाएं' में नहीं छिपा है। उसके साथ कितना खाएं, कब खाएं, कैसे खाएं और क्या पिएं इन सभी का संतुलन आवश्यक है।

जनवादी लेखक संघ की मासिक गोष्ठी में हुआ रचनापाठ

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जनवादी लेखक संघ (अंजुमन जम्हूरियत पसन्द मुसन्फीन) की मासिक घरेलू गोष्ठी एवं रचनापाठ का आयोजन सत्यभान सिंह जनवादी के आवास पर किया गया। गोष्ठी में लेखक संघ की आगामी कार्ययोजना पर बातचीत हुई और आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के स्वरूप पर विचार–विमर्श किया गया।यह भी तय हुआ कि आगामी माह में जनवादी लेखक संघ उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित हो रही स्त्री लेखन कार्यशाला में फैजाबाद इकाई से प्रतिभागिता की जाए। कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए यह तय किया गया कि सदस्यों की समयबद्ध उपस्थिति और सक्रियता अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस मौके पर गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे उर्दू के

आलोचक मो. जफर ने सदस्यों की कविताओं और रचनाओं के पाठ की सराहना करते हुए शायरी और कविता को मौजूदा समय की जरूरत करार दिया। संचालन करते हुए सै. मुजम्मिल अहमद फिदा (कार्यकारी सचिव) ने बखूबी अपनी भूमिका को निभाते हुए सच को सच और झूठ को झूठ लिखने के लिए कलमकारों का आह्वान किया और अपने अशआर प्रस्तुत किए। विशेष आमंत्रित कवि–आलोचक आर डी आनंद ने अपनी लंबी वैचारिक कविता 'बिग बैग से पहले' से ध्यानाकर्षण किया। डा. विशाल श्रीवास्तव ने यह बात रखी कि संगठन में वैचारिक और अकादमिक कार्यक्रमों पर बल दिया जाना चाहिए और राज्य समिति के निर्देशों के अनुरूप कार्यक्रमों की कार्ययोजना बनाई जानी चाहिए। गोष्ठी के संयोजक सत्यभान सिंह जनवादी ने एक कविता की प्रस्तुति के साथ साहित्य–साधना कर रहे साथियों का शुक्रिया अदा किया। इस अवसर पर वरिष्ठ शायर इल्तिफात माहिर ने अपनी मकबूल नज़्में, एडवोकेट राजीव श्रीवास्तव ने गीत और गजल, युवा कवयित्री पूजा श्रीवास्तव, नाजिश फातिमा और अर्चना सिंह, युवा कवि अखिलेश सिंह ने अपनी मुक्त कविताओं का पाठ किया। बृजेश मौर्य ने कार्यक्रम और कविताओं पर अर्थपूर्ण टिप्पणी की। गोष्ठी में यह निर्णय लिया गया कि मासिक गोष्ठियों का क्रम यूं ही चलता रहेगा और सभी सदस्य बढ़–चढ़ कर प्रतिभाग करेंगे।

गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति कार्यालय पर निःशुल्क फिजियोथेरेपी कैंप आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हरभज राम कृपा देवी ट्रस्ट के सौजन्य से डाक्टर नम्रता सूरी एवं डॉक्टर दीपिका कुमारी द्वारा 3\127 विवेक खंड, गोमतीनगर में गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति के कार्यालय पर, निःशुल्क फिजियोथेरेपी कैंप आयोजित किया गया।कैंप में लखनऊ फिजियोथेरेपी एसोसिएशन के सचिव डाक्टर संजय शुक्ला, कोषाध्यक्ष डॉक्टर विष्णु मूर्ति पाठक एवं अमित गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। गोमती नगर जनकल्याण महा महासमिति के कार्यवाहक महासचिव कर्नल ए एन पांडे, सचिव सी जी नायर एवं संजय निगम ने महासमिति की ओर से कार्यक्रम में सहभागिता दर्ज की। भारी संख्या में फिजियोथैरेपी कैंप

की विभिन्न सुविधाओं का लाभ उठाया गया। उक्त जानकारी संजय निगम सचिव गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति लखनऊ ने दी।

गोयल इंस्टीट्यूट के छात्रों ने 'रन फॉर हर 3.0' में लहराया परचम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, लखनऊ के विद्यार्थियों ने 'Run for Her 3.0' में शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए उत्कृष्ट रैंक हासिल की। संस्थान के छात्र सत्यम कुमार एवं शिवम शुक्ला ने अपनी शानदार प्रदर्शन क्षमता का परिचय देते हुए टॉप–10 में स्थान बनाया। वहीं छात्राओं शालू राय एवं सोनम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टॉप–30 में अपनी जगह सुनिश्चित की। इस उपलब्धि पर संस्थान के प्रबंधन एवं शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्थान ने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियां अनुशासन, आत्मविश्वास, फिटनेस और निरंतर प्रयास का परिणाम हैं तथा अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज परिवार को अपने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर गर्व है।

2023 बैच के उप निरीक्षक शुभम सिंह को मिली सदर बाजार चौकी की कमान

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। थाना कैंट क्षेत्र की महत्वपूर्ण सदर बाजार चौकी की कमान अब युवा एवं 2023 बैच के उप निरीक्षक शुभम सिंह को सौंपी गई है।इससे पहले उप निरीक्षक शुभम सिंह कोतवाली नगर में तैनात होकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे थे।स्थानांतरण के बाद उन्हें सदर बाजार चौकी प्रभारी की नई जिम्मेदारी दी गई है।सदर बाजार चौकी थाना कैंट क्षेत्र का महत्वपूर्ण पुलिस पिकेट क्षेत्र होने के साथ ही

लगातार सक्रिय रहने वाला इलाका है।बाजार क्षेत्र में बड़ी संख्या में दुकानदारों, व्यापारियों और आम नागरिकों की आवाजाही रहती है। ऐसे में चौकी प्रभारी के रूप में उप निरीक्षक शुभम सिंह के सामने क्षेत्र में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के साथ–साथ अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी।मूल रूप से जनपद जौनपुर निवासी उप निरीक्षक शुभम सिंह वर्ष 2023 बैच के पुलिस अधिकारी हैं। पुलिस सेवा में आने के बाद उन्होंने विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। कोतवाली नगर में तैनाती के दौरान पुलिसिंग से जुड़े दायित्वों को संभालने के बाद अब उन्हें कैंट थाना क्षेत्र की सदर बाजार चौकी की कमान मिली है।नई जिम्मेदारी मिलने के बाद चौकी क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर निगरानी, बाजार क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने तथा आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष ध्यान दिए जाने की उम्मीद है।सदर बाजार क्षेत्र में व्यापारी वर्ग और आम नागरिकों की सुरक्षा पुलिस के लिए हमेशा प्राथमिकता का विषय रहती है।बाजार में बढ़ती भीड़ और लगातार होने वाली आवाजाही को देखते हुए पुलिस की सक्रिय मौजूदगी भी महत्वपूर्ण मानी जाती है।ऐसे में चौकी प्रभारी शुभम सिंह की कार्यशैली और क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता पर लोगों की निगाह रहेगी।बताया जा रहा है कि नई जिम्मेदारी संभालने के साथ ही उप निरीक्षक शुभम सिंह क्षेत्र की भौगोलिक एवं सुरक्षा व्यवस्था को समझने के साथ पुलिसकर्मियों के साथ समन्वय बनाकर प्रभावी पुलिसिंग को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे।वहीं आमजन के साथ बेहतर संवाद स्थापित कर पुलिस के प्रति विश्वास को मजबूत करना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

प्लॉट बेचने के नाम पर 18 लाख की ठगी का आरोप, पांच पर प्राथमिकी

उन्नाव, (संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र में प्लॉट बेचने के नाम पर 18 लाख रुपये ठगी का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कस्टोलवा निवासी शुभम बाजपेई ने न्यायालय में दिए प्रार्थनापत्र में बताया कि शीतलगंज निवासी शैलेंद्र, रजनीकांत और अन्य ने कस्बे के मौरावां रोड पर एक विद्यालय के पास स्थित प्लॉट बेचने की बात कही। भरोसे में आकर उसने अलग–अलग तारीखों में बैंक खाते से आरटीजीएस और चेक के माध्यम से 18 लाख रुपये दे दिए। आरोप है कि रकम लेने के बाद आरोपी बैनामा टालते रहे और रुपये वापस मांगने पर जान से मारने व झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने लगे। पीड़ित ने बताया कि छह अप्रैल 2026 की रात करीब आठ से नौ बजे वह शीतलगंज स्थित आनंदेश्वरी मंदिर जाते समय रास्ते में रामबाबू शुक्ला, शैलेंद्र, रजनीकांत, रजनीश शर्मा और अनुराग शुक्ला ने उसे रोक लिया। इन लोगों ने रुपये भूल जाने की धमकी देते हुए पिटाई कर दी।

बाढ़ में डूबे ऑटो चालक का दूसरे दिन मिला शव

उन्नाव, (संवाददाता)। बारासगवर थाना क्षेत्र के रायपुर गांव में बृहस्पतिवार को बाढ़ के पानी में डूबे कानपुर के नारायणपुर थाना हनुमंत बिहार नौबस्ता निवासी ऑटो चालक अमन सोनी (26) का शव शुक्रवार सुबह बरामद हुआ। वह 30 अगस्त को ननिहाल आया था। मामा राजकुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह अमन ममेरे भाई कृष्णा (12) के साथ जयराजमऊ में बाढ़ का पानी देखने गया था। जयराजमऊ–पसनिया खेड़ा मार्ग पर पुलिया पर पैर फिसलने से वह 20 फीट गहरे पानी में बह गया। कृष्णा ने परिजनों को सूचना दी। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा समेत पुलिस और राजस्व टीम मौके पर पहुंची। गोताखोरों ने शुक्रवार सुबह जाल डालकर पुलिया से करीब 400 मीटर दूर शव खोज निकाला। अमन की शादी तीन साल पहले हुई थी। अमन चार भाइयों रमन, दीपक और दीपांशु में सबसे बड़ा था। पति की मौत की सूचना से पत्नी नैंसी, नानी सूरजबली समेत अन्य परिजन बेहाल है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

तीन वांछितों को न्यायालय में हाजिर होने का नोटिस

उन्नाव, (संवाददाता)। नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी के मामले में वांछित तीन आरोपियों के खिलाफ न्यायालय ने नोटिस जारी किया है। एक महीने में हाजिर न होने पर कुर्की की कार्रवाई होगी। पुरवा कस्बे के मोहल्ला बेगमगंज निवासी राजेश व मौरावां के मोहद्दीनपुर निवासी प्रेमशंकर ने बताया कि 29 जुलाई 2025 को बस्तीखेड़ा गांव निवासी सुनील कुमार पांडेय और उसके पांच साथियों ने बेटों को सचिवालय मार्शल व बाबू के पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर 60 लाख रुपये लिए थे। काफी दिनों तक नौकरी न लगवाने पर जब रुपये मांगे तो आरोपियों ने देने से इन्कार कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

बूड़े हनुमान घाट के पास प्रस्तावित बैराज का मांगा लेआउट

बांदा, (संवाददाता)। डीएम पुलकित गर्ग, एसपी अरुण कुमार सिंह व नगर पालिका परिषद कर्वी अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने बूड़े हनुमान घाट के पास प्रस्तावित बैराज का निरीक्षण किया। डीएम ने अधिशासी अभियंता सिंचाई को निर्देशित किया कि बैराज का विस्तृत लेआउट तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सीढ़ी के सापेक्ष जल स्तर एवं पानी की निर्धारित ऊंचाई स्पष्ट रूप से अंकित हो। उन्होंने कहा कि रामघाट से बूड़े हनुमान घाट तक जल स्तर का समुचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। ताकि श्रद्धालुओं के स्नान में कोई समस्या न आने पाए। साथ ही मई–जून में जल स्तर कम होने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त जल उपलब्धता बनाए रखने की कार्य योजना तैयार की जाए। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रस्तावित बैराज के लिए निजी भूमि का उपयोग न किया जाए तथा बैराज का निर्माण निर्धारित एवं वास्तविक स्थल पर ही कराया जाए। इसके साथ ही प्रस्तावित स्थल की गूगल मैपिंग कराते हुए संबंधित अभिलेख भी तैयार किए जाएं। डीएम ने सदर एसडीएम को निर्देशित किया कि पूर्व में प्रवाहित सरयू नदी के मार्ग का संबंधित विभागों की संयुक्त टीम से सर्वे कराया जाए तथा सर्वे के उपरांत जरूरत के अनुसार सीमांकन एवं पिलर स्थापित कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

रामसैया से भरतकूप तक लगेंगी 95 अस्थायी सोलर लाइटें

बांदा, (संवाददाता)। डीएम पुलकित गर्ग ने बताया कि रामसैया से भरतकूप तक 60 स्थायी सोलर लाइटें लगाई जा चुकी हैं। जबकि 35 और लाइटें लगाई जानी हैं। इस प्रकार कुल 95 सोलर लाइटें जिला पंचायत मद से स्थापित की जाएंगी तथा रखरखाव जिला पंचायत द्वारा पांच वर्ष तक किया जाएगा। लाइटों की व्यवस्था से अमावस्या मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा होगी तथा रात्रि के समय परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. शिल्पी त्रिपाठी ने प्रदेश में किया टॉप

बांदा, (संवाददाता)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा एवं बीएससी में गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. शिल्पी त्रिपाठी ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा गृह विभाग के अंतर्गत आयोजित वैज्ञानिक अधिकारी परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। सात सितंबर को घोषित परिणाम में डॉ. शिल्पी ने अनारक्षित वर्ग की मुख्य चयन सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हुए फॉरेंसिक अफसर के पद पर अपना चयन सुनिश्चित किया है। डॉ. शिल्पी त्रिपाठी की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

पितृ पूजन सुपुत्र का धर्म– महंथ बृज मोहन दास

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। पिता की प्रथम पुण्यतिथि पर सप्ताह भर से हो रहे पूजन कार्यक्रम के बाद शुक्रवार को पत्रकार के पिता की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम में

पहुंचे दशरथ गद्दी पीठाधीश्वर अयोध्या धाम बृज मोहन दास ने कहा कि पितृ पूजन बेटे का प्रमुख धर्म है।उन्होंने पत्रकार द्वारा अपने पिता की मूर्ति स्थापना करवाने की सराहना की। बता दे कि स्थानीय थाना क्षेत्र के मझारी गांव निवासी इन्द्रसेन दूबे ने साल भर पहले दिवंगत हुए अपने पिता स्व कपिल कांत दूबे की मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम आयोजित किया। विगत सप्ताह भर से विद्वानों द्वारा मूर्ति स्थापना संबंधी पूजन अर्चन पाठ कराया जा रहा था। शुक्रवार को विद्वानों द्वारा विधि विधान से हवन पूजन कराने के बाद दशरथ गद्दी पीठाधीश्वर अयोध्या धाम महंत बृज मोहन दास द्वारा इंद्रसेन द्विवेदी के पिता की मूर्ति का अनावरण किया। अनावरण के मौके पर महराज जी के साथ विशेषाचार्य जी महराज अयोध्या धाम,पूर्व ब्लॉक प्रमुख धनपतगंज यशभद्र सिंह मोनू,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि योगेंद्र प्रताप सिंह उर्फ बब्लू सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। मूर्ति अनावरण के बाद महंत बृज मोहन दास ने कहा कि देवी देवताओं के पूजन की तरह ही पितृ पूजन भी आवश्यक है।जिस तरह हिन्दू धर्म में देवी देवताओं के लिए तिथियाँ निर्धारित है। उसी तरह पितरों के लिए भी साल भर में दो पक्ष निर्धारित है।इंद्रसेन द्वारा अपने पिता की मूर्ति स्थापना कराकर सुपुत्र होने का एक संदेश समाज को दिया है।इनके द्वारा किया गया कार्य बेहद सराहनीय है।कार्यक्रम में एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व प्रमुख वीर भद्र सिंह, दिवाकर दूबे सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

बहन की शादी से 26 दिन पहले उठी भाई की अर्थी, घर में छाया मातम

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के मदनपुर पनियार गांव में सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। मर्चेंट नेवी में कार्यरत आवेश उर्फ फूल की सड़क हादसे में मौत हो गई। सबसे दर्दनाक बात यह है कि उसकी छोटी बहन गुलअफशा की शादी महज 26 दिन बाद छह अक्टूबर को होनी थी। बहन की शादी के लिए घर की मरम्मत और तैयारियों में जुटा आवेश अब इस दुनिया में नहीं है। आवेश पिछले महीने लाओस से लौटा था और करीब एक सप्ताह पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था। इससे पहले वह ईरान से भी लौट चुका था। बताया जा रहा है कि उसे इसी सप्ताह दोबारा ड्यूटी पर जाना था। बहन की शादी से दो दिन पहले फिर घर लौटने की उसकी योजना थी, लेकिन उससे पहले ही हादसे ने उसकी जिंदगी छीन ली। गुरुवार रात करीब नौ बजे आवेश अपने दोस्त नदीम अहमद के साथ बाइक से रहायकपुर मोड़ के पास सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान लखनऊ की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल दोनों को सीएचसी लंभुआ पहुंचाया। आवेश के सिर में गंभीर चोट लगी थी। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर रेफर कर दिया। हालत में सुधार नहीं होने पर उसे लखनऊ ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, लेकिन वहां बेड उपलब्ध नहीं हो सका। परिजन उसे दूसरे अस्पताल ले जा रहे थे, तभी रास्ते में आवेश ने दम तोड़ दिया। आवेश चार भाई–बहनों में दूसरे नंबर पर था। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बहन गुलअफशा की शादी छह अक्टूबर को तय थी। बहन की शादी को लेकर घर में तैयारियां चल रही थीं। आवेश खुद घर की मरम्मत करवा रहा था और गुरुवार को प्लंबर नदीम के साथ घर में बन रहे शौचालय का सामान लेने बाजार गया था। बाजार से लौटते समय ही हादसा हो गया। शुक्रवार सुबह करीब 10.30 बजे आवेश का शव गांव पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। जिस घर में कुछ दिनों बाद बहन की डोली उठनी थी, वहां भाई की अर्थी उठने की खबर से हर आंख नम हो गई। आवेश के पिता तौकीर बहरीन में नौकरी करते हैं और इन दिनों बेटी की शादी के लिए घर आए हुए हैं। बेटे की मौत की खबर से पूरा परिवार सदमे में है। मां तय्यबा का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर है। लंभुआ पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कुड़वार में बदहाल सड़कों ने बढ़ाई मुसीबत, गड्ढों में तब्दील हुए कई मार्ग

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। क्षेत्र की बदहाल सड़कों की तस्वीरें खुद व्यवस्था की हकीकत बयां कर रही हैं। बरसात के बाद कई प्रमुख मार्ग गड्ढों में तब्दील हो गए हैं, जबकि सड़क किनारे उगी झाड़ियां राहगीरों के लिए अलग मुसीबत बनी हुई हैं। स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों और दोपहिया–चारपहिया वाहन चालकों को रोजाना जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ रहा है। बिजली उपकेंद्र से मंगापुर मार्ग पर बचनपुर के पास सड़क धंस गई है। शिकायत के बाद विभाग ने दो बार मिट्टी डालकर खानापूर्ति तो कर दी, लेकिन कुछ ही समय में सड़क फिर बदहाल हो गई। इस मार्ग पर दो परिषदीय विद्यालय भी हैं, जिससे बच्चों की आवाजाही के दौरान दुर्घटना का खतरा बना रहता है। इसी तरह बीपी इंटर कॉलेज चौराहे से खादर बसंतपुर जाने वाला मार्ग भी लंबे समय से जर्जर है। विद्यालय के आसपास सड़क की हालत बेहद खराब है और गहरे गड्ढे हादसों को दावत दे रहे हैं। वहीं कुड़वार–नौगवांतीर मार्ग पर पुल के पहले सड़क किनारे जगह–जगह बने गहरे गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे हैं। बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को उनकी गहराई का अंदाजा नहीं हो पाता। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल बरसात में सड़कों की यही स्थिति होती है, लेकिन जिम्मेदार विभाग समय रहते मरम्मत नहीं कराता। सवाल यह है कि आखिर विभागीय अधिकारी और क्षेत्रीय कर्मचारी कब जागेंगे और लोगों को गड्ढों व झाड़ियों से निजात कब मिलेगी।

पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण संपन्न

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा निपुण भारत मिशन के तहत आयोजित पांच दिवसीय एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) प्रशिक्षण शुक्रवार को बीआरसी कार्यालय सभागार बल्दीराय में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण में विकासखंड के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक एवं शिक्षामित्रों ने प्रतिभाग किया। यह प्रशिक्षण खंड शिक्षा अधिकारी श्याम बिहारी के निर्देशन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर बच्चों की बुनियादी भाषा एवं गणितीय दक्षताओं को मजबूत बनाना तथा शिक्षकों

को निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों के अनुरूप प्रभावी एवं गतिविधि आधारित शिक्षण की व्यवहारिक जानकारी प्रदान करना रहा। पांच दिनों तक चले प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को एनसीईआरटी की पुस्तकों के प्रभावी उपयोग, निपुण लक्ष्य, 10 टूल्स, संदर्शिका, कैच–अप, जीआरआर तथा 4 ब्लॉक सहित महत्वपूर्ण शैक्षिक विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। संदर्भदाताओं ने केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं, बल्कि कक्षा–कक्ष में इन संसाधनों और विधियों के प्रभावी प्रयोग की व्यवहारिक समझ भी विकसित कराई।

रामघाट एवं परिक्रमा मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का लिया जायजा

बांदा, (संवाददाता)। अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन ज्योति नारायण ने पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में भाद्रपद मास अमावस्या मेला के दृष्टिगत मेला क्षेत्र रामघाट एवं परिक्रमा मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया। भ्रमण के दौरान मेला क्षेत्र के प्रमुख मार्गों, भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण करते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई पुलिस व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। उन्होंने मंदाकिनी नदी के घाटों पर श्रद्धालुओं के स्नान के लिए की गई व्यवस्थाओं, बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं घाटों पर पुलिस बल की तैनाती का निरीक्षण किया। साथ ही श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर ही स्नान कराने, नदी के गहरे जल क्षेत्र में जाने से रोकने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एडीजी ने परिक्रमा मार्ग एवं मेला क्षेत्र में बैरिकेडिंग, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्गों तथा प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए निर्देशित किया गया। संबंधित अधिकारियों को मेला क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहकर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की निगरानी करने, घाटों एवं परिक्रमा मार्ग पर विशेष सतर्कता बरतने तथा भीड़ बढ़ने की स्थिति में प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान अपर एसपी पीयूषकान्त राय, क्षेत्राधिकारी नगर सत्येन्द्र सिंह एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राजा श्रीकृष्ण दत्त इंटर कालेज में धूमधाम से मना स्थापना दिवस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शहर के मध्य स्थित अति प्राचीन शिक्षण संस्थान राजा श्रीकृष्ण दत्त इंटर कॉलेज का स्थापना दिवस एवं वार्षिकोत्सव शनिवार को विद्यालय परिसर में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों, जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की। छात्र–छात्राओं ने मनमोहक नृत्य, संगीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी, अध्यक्ष प्रो. (कैप्टन) अखिलेश्वर शुक्ला, प्रबंधक डॉ. सत्यराम प्रजापति, प्रधानाचार्य डॉ. संजय चौबे एवं पूर्व एमएलसी प्रमोद मिश्रा ने मां सरस्वती एवं राजा श्रीकृष्ण दत्त की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन कर किया। राज परिवार के सदस्य रानी नीता कुंवर, रजत थरेजा, राधिका थरेजा एवं बद्दी कपूर की उपस्थिति कार्यक्रम में विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

उत्तर प्रदेश सरकार की प्रोजेक्ट अलंकार योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालय के भवन निर्माण तथा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी के सहयोग से निर्मित सभागार का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही कदंब एवं नीम के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली का संदेश दिया गया।

पुरातन छात्रों और प्रतिभाओं का सम्मान

कार्यक्रम में विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत पुरातन छात्रों एवं छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में कर्नल रामदास द्विवेदी, न्यायाधीश अभिषेक कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक प्रीति वर्मा, एसबीआई के रौनक अफरोज, एचडीएफसी बैंक की निकिता सिंह, जिला उद्योग विभाग के अधिकारी दीपक सेठ, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अजीत कपूर, चार्टर्ड अकाउंटेंट अमित गुप्ता, प्रधानाचार्य डॉ. नीरज सिंह बेलाव, उप प्रबंधक जियाराम यादव, सेवानिवृत्त शिक्षक महाबल यादव, डॉ. आयुष उपाध्याय (एमबीबीएस, एमडी), शासकीय अधिवक्ता यादवेन्द्र चतुर्वेदी एवं वरिष्ठ पत्रकार श्याम नारायण पांडेय सहित दर्जनों पुरातन छात्र शामिल रहे। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

संस्थान के प्रति योगदान का आह्वान

मुख्य अतिथि सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को उस शिक्षण संस्थान और गुरु के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए, जहां से उसने शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि इसी भावना के तहत उन्होंने जनपद के करीब 90 शिक्षण संस्थानों को बिना किसी भेदभाव के सोलर पैनल उपलब्ध कराने तथा आवश्यकता के अनुसार सहयोग करने का प्रयास किया है। उन्होंने अपने पिता स्वर्गीय माता सेवक उपाध्याय, भाई सुधाकर उपाध्याय, जो इस संस्थान के पूर्व प्रधानाचार्य रहे, तथा स्वयं के विद्यालय से जुड़े होने का उल्लेख करते हुए इसकी गौरवशाली परंपरा को रेखांकित किया। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. सत्यराम प्रजापति ने संस्था की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की उपलब्धियों एवं प्रगति की आख्या प्रस्तुत की। प्रधानाचार्य डॉ. संजय चौबे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्राचार्य राज पीजी कॉलेज, जौनपुर प्रो. (कैप्टन) अखिलेश्वर शुक्ला ने छात्र–छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि बड़ा काम करने के लिए बड़ी सोच का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का यह सौभाग्य है कि वे लगभग दो शताब्दी पुराने, वर्ष 1841 में स्थापित इस गौरवशाली शिक्षण संस्थान में अध्ययन कर रहे हैं। वार्षिकोत्सव एवं लोकार्पण समारोह में विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य डॉ. अनिल उपाध्याय, डॉ. अनिल सिंह, शिवभूषण चौबे, डॉ. विनय कुमार सिंह, संदीप मिश्रा, अशोक कुमार मिश्रा, प्रेमचंद, डॉ. विश्वनाथ, डॉ. रमेश राघवेंद्र सिंह, पवन साहू, आनंद तिवारी, रमेश त्रिपाठी, डॉ. बृजेश सिंह, संजय सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, रंजना चौरसिया, पूजा सिंह एवं ज्योति सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन भौतिक विज्ञान प्रवक्ता एवं एनसीसी के संघीय अधिकारी लेफ्टिनेंट बृजभूषण यादव एवं अवनीन्द्र तिवारी ने किया।

सीएसआईआर-यूजीसी नेट में पीयू का परचम, सोनल को देश में दूसरी रैंक, छह अभ्यर्थियों की शानदार सफलता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और युवा शोधार्थियों ने संयुक्त सीएसआईआर–यूजीसी नेट जून 2026 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान से जुड़े छह अभ्यर्थियों ने जेआरएफ एवं नेट में राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय रैंक हासिल की है। अर्थ एंड प्लैनेटरी साइंसेज में एम. एससी. भूविज्ञान की छात्रा सोनल शुक्ला ने जेआरएफ में देशभर में दूसरी रैंक हासिल की। इसी विषय में अनन्य पांडेय ने 29वीं रैंक प्राप्त की। रसायन विज्ञान में रज्जू भइया संस्थान के पूर्व छात्र सूरज प्रजापति

ने सीएसआईआर–जेआरएफ में 79वीं रैंक हासिल की। वह वर्तमान में विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर नैनोसाइंस एंड टेक्नोलॉजी में डीएसटी–पर्स परियोजना के तहत शोध कर रहे हैं। भौतिक विज्ञान में प्रवीण कुमार प्रजापति ने नेट में 118वीं रैंक हासिल की। गणितीय विज्ञान में प्रदूम कुमार शर्मा ने सीएसआईआर–जेआरएफ में 122वीं तथा अनंत चौधरी ने नेट में 106वीं रैंक प्राप्त की। कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विभिन्न विज्ञान विषयों में विद्यार्थियों की यह सफलता विश्वविद्यालय की मजबूत होती शोध संस्कृति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, आधुनिक अनुसंधान सुविधाओं और बेहतर अकादमिक मार्गदर्शन को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में मिली सफलता से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध पहचान मजबूत हुई है और अन्य विद्यार्थी भी उच्च शिक्षा तथा अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे।

एआई के साथ विकास की नई राह पर पीयू : प्रो. राकेश सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत शनिवार रात कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन–2.0 में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की टीम ने सहभागिता की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के समक्ष विश्वविद्यालय का प्रस्तुतिकरण किया। उन्होंने शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य और सुशासन के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कुलपति ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना की जानकारी देते हुए कहा कि एआई के माध्यम से उच्च शिक्षा को अधिक प्रभावी, नवाचारपरक और तकनीक आधारित बनाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों के हित में एआई के उपयोग तथा

विश्वविद्यालय में किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने छात्रावास सुविधाओं के विस्तार, खेलकूद को बढ़ावा देने, इंटरनेट सुविधाओं को सुदृढ़ करने और छात्र–छात्राओं की सुरक्षा से जुड़ी पहलों की जानकारी दी। प्रस्तुतिकरण में क्षय रोगियों के सहयोग और जागरूकता, किशोरियों के एचपीवी टीकाकरण, सौ सप्ताह के नशामुक्ति अभियान, सेवा पखवाड़े तथा बाल संरक्षण गृह से संबंधित कार्ययोजना भी शामिल रही। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों ने एआई के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य और सुशासन को नई दिशा देने पर विचार साझा किए। उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच एआई आधारित सहयोग और नवाचार की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति के नेतृत्व में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. सौरभ पाल, डॉ. विक्रान्त भटेजा, डॉ. सुनील यादव और दिलीप कुमार यादव ने प्रतिभाग किया।

गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति कार्यालय पर निःशुल्क फिजियोथेरेपी कैंप आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हरभज राम कृपा देवी ट्रस्ट के सौजन्य से डाक्टर नम्रता सूरी एवं डॉक्टर दीपिका कुमारी द्वारा 3/127 विवेक खंड, गोमतीनगर में गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति के कार्यालय पर, निःशुल्क फिजियोथेरेपी कैंप आयोजित किया गया।कैंप में लखनऊ फिजियोथेरेपी एसोसिएशन के सचिव डाक्टर संजय शुक्ला, कोषाध्यक्ष डॉक्टर विष्णु मूर्ति पाठक एवं अमित गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। गोमती नगर जनकल्याण महा महासमिति के कार्यवाहक महासचिव कर्नल ए एन पांडे, सचिव सी जी नायर एवं संजय निगम ने महासमिति की ओर से कार्यक्रम में सहभागिता दर्ज की। भारी संख्या में फिजियोथेरेपी कैंप की विभिन्न सुविधाओं का लाभ उठाया गया । उक्त जानकारी संजय निगम सचिव गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति लखनऊ ने दी।

मातृशक्ति संगठन का किया गया विस्तार – लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत के अध्यक्ष एवं कानपुर प्रांत के संगठन मंत्री लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद तहसील गोला गोकर्णनाथ लखीमपुर खीरी की मासिक बैठक संपन्न हुई जिसमें मातृशक्ति संगठन का विस्तार किया गया जिसमें सर्वसम्मति से महिला संगठन की अध्यक्ष प्रीति सिंह एवं उपाध्यक्ष सुशीला शुक्ला को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया।

गोयल इंस्टीट्यूट के छात्रों ने `रन फॉर हर 3.0´ में लहराया परचम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, लखनऊ के विद्यार्थियों ने Run for Her 3.0 में शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए उत्कृष्ट रैंक हासिल की। संस्थान के छात्र सत्यम कुमार एवं शिवम शुक्ला ने अपनी शानदार प्रदर्शन क्षमता का परिचय देते हुए टॉप–10 में स्थान बनाया। वहीं छात्राओं शालू राय एवं सोनम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टॉप–30 में अपनी जगह सुनिश्चित की। इस उपलब्धि पर संस्थान के प्रबंधन एवं शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्थान ने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियां अनुशासन, आत्मविश्वास, फिटनेस और निरंतर प्रयास का परिणाम हैं तथा अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज परिवार को अपने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर गर्व है।

रामदयालगंज में विशाल यादव की हत्या के बाद हाईवे जाम, 78 लोगों पर मुकदमा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । उत्तर प्रदेश के जौनपुर में रामदयालगंज बाजार में शुक्रवार को महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के सामने विशाल यादव (25) की हत्या के बाद हाईवे जाम करने के मामले में लाइन बाजार थाने में 28 नामजद और 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।इस संबंध में रविवार को पुलिस मीडिया सेल से जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि उपनिरीक्षक रामभरोस राम की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। तहरीर के अनुसार, हत्या के बाद लोगों ने शव को राष्ट्रीय राजमार्ग–135ए पर रखकर दोनों तरफ का यातायात रोक दिया। इस दौरान जौनपुर–मड़ियाहूं मार्ग पर यात्रियों, एंबुलेंस और आवश्यक सेवाओं के वाहनों को भी रोका गया तथा वाहन चालकों से मारपीट का आरोप है। इससे हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस के अनुसार, जाम खुलवाने का प्रयास करने पर भीड़ ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का–मुक्की की। लाइन बाजार पुलिस ने वीडियो रिकॉर्डिंग कराते हुए लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ पुलिस से उलझ गई। तहरीर में आरोप है कि बेलवारामसागर निवासी दीवाकर पांडेय और उनकी पत्नी पुष्पा पांडेय ने भीड़ को समझाने की कोशिश की। इस दौरान उनके साथ भी मारपीट की गई, जिससे दोनों बेहोश हो गए। घटना से बाजार में अफरा–तफरी मच गई और दुकानदार दुकानें बंद कर वहां से चले गए। स्थिति बिगड़ने पर मड़ियाहूं, सिकरारा, कोतवाली, जफराबाद, मछलीशहर और रामपुर समेत कई थानों से पुलिस बल बुलाया गया। पुलिस ने लोगों को समझाकर हाईवे से जाम हटवाया। इसके बाद विशाल यादव के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस के अनुसार नामजद आरोपियों में संदीप यादव, राज कुमार यादव, हरेराम यादव, नितेश कन्नौजिया, सुनील यादव, प्रवीण कुमार सिंह, राहुल यादव, विक्की यादव, रोहित सोनकर, गब्बू सोनकर, धीरज गुप्ता, मयंक सिंह, बड़ूल यादव, आकाश निषाद, नाटे मौर्या, सोनू यादव, प्रियान्शु यादव, लल्लन सोनकर, गुड्डू दुबे, सौरभ यादव, पांडेय सोनकर, राजेश हरिजन, अंबर यादव, अतुल यादव और पातिराम यादव समेत 28 लोग शामिल हैं।

दीवानी बार अधिवक्ता संघ चुनाव में अवधेश सिंह अध्यक्ष, मनीष कुमार सिंह मंत्री निर्वाचित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में दीवानी बार अधिवक्ता संघ के चुनाव में शनिवार को मतगणना के बाद परिणाम घोषित कर दिए गए। अध्यक्ष पद पर अवधेश सिंह ने 1,276 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रमेश चंद्र उपाध्याय को 120 मतों से पराजित किया। रमेश चंद्र उपाध्याय को 1,156, रुद्र प्रताप यादव को 187, जवाहरलाल यादव को 178 और अरुण सिंह को 35 मत मिले, जबकि 18 मत अवैध घोषित किए गए। मंत्री पद पर मनीष कुमार सिंह ने जीत हासिल की। उन्हें 832 मत मिले और उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 320 मतों के अंतर से हराया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सत्येंद्र चतुर्वेदी तथा कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अजय श्रीवास्तव निर्वाचित हुए। लेखा निरीक्षक पद पर महेश कुमार दुबे ने 730 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी विकास पटेल को 12 मतों से शिकस्त दी। संयुक्त मंत्री पद पर शैलेश मिश्रा 571 मत पाकर विजयी रहे। उप मंत्री पद पर अश्वनी कुमार मिश्र और अजीत कुमार यादव निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य पद के परिणाम में मोहित मिश्रा प्रथम, अजीत कुमार यादव द्वितीय, किरण सिंह तृतीय, अमित तिवारी चतुर्थ तथा विनोद पटेल और प्रशांत उपाध्याय संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। परिणाम घोषित होते ही विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में उत्साह का माहौल रहा। अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और संघ के हित में सक्रियता से कार्य करने की उम्मीद जताई।

जनगणना–2027 के द्वितीय चरण हेतु अयोध्या में प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जनगणना–2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जनपद अयोध्या में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 सितम्बर से 13 सितम्बर 2026 तक कलेक्ट्रेट सभागार,अयोध्या में प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों, प्रगणकों, पर्यवेक्षकों एवं तकनीकी सहायकों को जनसंख्या गणना की प्रक्रिया, मोबाइल एप के माध्यम से आंकड़ों के संकलन तथा डिजिटल प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक चार्ज में बनने वाले गणना ब्लॉक एवं हाउसिंग ब्लॉक के निर्माण से संबंधित समस्त प्रक्रिया के साथ–साथ जनसंख्या गणना के दौरान आवश्यक कार्यों की जानकारी भी प्रदान की गई।

जनगणना के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद के 16 चार्जों में लगभग 4,263 प्रगणक एवं 687 पर्यवेक्षक, कुल 4,950 कार्मिकों द्वारा जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। यह कार्य 01 दिसम्बर 2026 से 04 जनवरी 2027 तक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सम्पन्न कराया जाएगा।प्रशिक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) एवं जिला जनगणना अधिकारी, अयोध्या द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। जनगणना निदेशालय से जिला प्रभारी के रूप में नियुक्त उप निदेशक श्री शैलेन्द्र यादव द्वारा भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।इस अवसर पर समस्त तहसीलदार, नगर निकायों के जोनल अधिकारी एवं समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद एवं छावनी परिषद तथा जनगणना सहायक सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।प्रशासन द्वारा सभी संबंधित कार्मिकों से जनगणना–2027 के द्वितीय चरण को निर्धारित समयसीमा में सटीक, पारदर्शी एवं सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु पूर्ण गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपेक्षा की गई है।

उमानाथ सिंह राजनीति में शुचिता के पर्याय थे – रविंद्र जायसवाल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 13 सितंबर। पूर्व मंत्री एवं अमर शहीद उमानाथ सिंह राजनीति में शुचिता, सहजता, सरलता और मृदुभाषिता के प्रतीक थे। उन्होंने सत्ता की राजनीति के बजाय पं. दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा को चुना और समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए संघर्ष किया। सत्ता द्वारा प्रायोजित अत्याचारों का विरोध करते हुए उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया। उक्त बातें प्रदेश के स्टांप एवं न्यायालय शुल्क तथा पंजीकरण (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल ने रविवार को यूपी के जौनपुर में तिलकधारी महाविद्यालय के बलरामपुर सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में कहीं।

उमानाथ सिंह स्मृति सेवा संस्थान की ओर से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि रविंद्र जायसवाल ने कहा कि जिस दौर में पूरे देश में कांग्रेस का प्रभाव था, उस समय उमानाथ सिंह ने राजनीति में कदम रखा। यदि उनका लक्ष्य सत्ता प्राप्त करना होता तो वह कांग्रेस का दामन थाम सकते थे, लेकिन उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा को अपनाया, जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने पर केंद्रित थी। उन्होंने कहा कि उमानाथ सिंह ने पूर्वांचल की राजनीति को नई दिशा दी। विशिष्ट अतिथि विधायक रमेश मिश्रा ने विभिन्न संस्मरणों के माध्यम से उमानाथ सिंह के शील, संयम और अनुशासनप्रियता को याद किया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे पूर्व एमएलसी केदारनाथ सिंह ने कहा कि उमानाथ सिंह व्यापारियों की समस्याओं के लिए हमेशा संघर्षरत रहे और इसी संघर्ष में शहीद हो गए। उनके विकास कार्यों को आज भी लोग याद करते हैं।

खेल एवं युवा कल्याण (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश के जिस भी हिस्से में जाते हैं, लोग जौनपुर का होने के कारण उनसे उमानाथ सिंह के बारे में पूछते हैं। इससे उनके विराट व्यक्तित्व और लोकप्रियता का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जौनपुर शहर में आज करीब 20 हजार लोगों को सरकार की ओर से आवास की सुविधा मिली है। उमानाथ सिंह के विकास कार्यों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

समारोह में पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह, प्रो. आरएन त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण सिंह, भाजपा नेता अरविंद सिंह, कवि सभाजीत द्विवेदी 'प्रखर', राज बहादुर सिंह, हरिओम त्रिपाठी, प्रो. आरपी ओझा सहित अन्य लोगों ने विचार व्यक्त किए। अतिथियों का पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर भाजपा मछलीशहर जिलाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, भाजपा जौनपुर सदर जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, महाविद्यालय प्रबंधक राघवेंद्र प्रताप सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, शिवेंद्र प्रताप सिंह, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, प्राचार्य डॉ. रामआसरे सिंह, पूर्व प्राचार्य डॉ. विनोद सिंह, दुश्यंत सिंह, वीरेन्द्र सिंह एडवोकेट, राजवीर सिंह राजा, डॉ. अजय दूबे, डॉ. राजदेव दूबे, प्रो. विजय सिंह, हिमांशु सिंह, डॉ. हरिओम त्रिपाठी, जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक विजेंद्र सिंह, और राकेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

आगंतुकों का अभिवादन महाविद्यालय प्रबंधक राघवेंद्र प्रताप सिंह, संचालन पूर्व प्राचार्य डॉ. समर बहादुर सिंह तथा आभार पूर्व सांसद केपी सिंह ने व्यक्त किया।

भारत को भारत समझना होगा, अपनी जिम्मेदारियों को भी समझें : डा. मनमोहन वैद्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जौनपुर नगर की ओर से संघ की 100 वर्ष की यात्रा के उपलक्ष्य में रिवर व्यू होटल में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता आरएसएस के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा कि नई पीढ़ी को भारत को भारत के रूप में समझना होगा। हम अपनी पहचान और गौरव को भूलते जा रहे हैं। देश के नागरिक होने के नाते प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। दुनिया में जो देश विकसित हुए हैं, वहां के नागरिकों ने अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए योगदान दिया है। भारत विविधता में एकता, सबके सुख और विश्व बंधुत्व की भावना के लिए जाना जाता है। हमारी सबसे बड़ी विशेषता अध्यात्म है और हमारी संस्कृति की मूल भावना एकता तथा सभी में ईश्वर के अंश को देखने की है। डॉ. वैद्य ने कहा कि संघ ने 100 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा में अनेक संघर्षों का सामना करते हुए निरंतर कार्य किया है। शताब्दी वर्ष में संघ की ओर से पंच परिवर्तन के माध्यम से देशभर में अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं, भारतीय शिक्षा और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया। कहा कि सेवा और समर्पण ही संघ की पहचान है। अब भारत आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर उसकी भूमिका और मजबूत हो, यही भाव होना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैप्टन डॉ. एके सिंह ने की। उन्होंने कहा कि देश अपना है, इस अपनत्व की भावना के साथ प्रत्येक नागरिक को देश को आगे बढ़ाने में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सुभाष विश्नोई द्वारा वंदेमातरम गीत से हुआ। डॉ. नरेंद्र पाठक ने एकल गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. अविनाश पार्थडिकर, प्रांत कार्यवाह मुरली पाल, विभाग प्रचारक आदित्य, विभाग कार्यवाह डॉ. नितेश, विभाग कार्यवाहिका नीतू सिंह, जिला प्रचारक अमरजीत, जिला कार्यवाह रजनीश, नगर कार्यवाह डॉ. राजीव त्रिपाठी समेत संघ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।